मीडिया विज्ञप्ति

महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल का द्वितीय संस्करण 10 से 12 नवंबर तक

वाराणसी की गलियों में गंगा के घाटों पर महसूस करें 'रोम रोम में कबीर'

मीडिया किट में तस्वीरें एवं फेस्टिवल से जुड़ी सभी जानकारी मौजूद

नई दिल्ली : पिछले साल के यादगार प्रथम संस्करण के बाद महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल (एम् के एफ़) एक बार फिर वाराणसी लौटेगा 10 से 12 नवंबर, 2017 तक। कवि संत कबीर की मार्मिक कविताओं और सादगी पूर्ण भाव से प्रेरित महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल एक ऐसे कार्यक्रम की प्रस्तुति करेगा जो उनके जीवन, संगीत और कविता के साथ-साथ उनके जन्मस्थान वाराणसी शहर के अनूठे माहौल को दर्शायेगा।

महिंद्रा ग्रुप और प्रमुख प्रदर्शनकारी कला मनोरंजन कंपनी, टीमवर्क आर्ट्स द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले इस उत्सव में स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ बिन्दु मालिनी और वेदांत, महेशा राम, नाथू लाल सोलंकी, रश्मि अग्रवाल, हरप्रीत सिंह जैसे बड़े नाम भी सम्मिलित होंगे। साथ ही बेमिसाल गायक कैलाश खेर और शुभा मुद्गल अपनी प्रस्तुति देकर इसमें चार चांद लगाएंगे।

कबीर का काव्य समावेशी है और पिछले वर्ष की तरह, महिन्द्रा कबीरा फ़ेस्टिवल कबीर के दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए संगीत प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव लेकर आएगा। वाराणसी के एतिहासिक घाटों पर दर्शकों को सम्मोहित करेंगे महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल में आये बनारस घराना, सूफी संगीत, दादरा, ठुमरी, ख्याल गायकी, गजल, पखवाज और तबला इत्यादि के अग्रणी प्रतिनिधि जो संत कबीर के शब्दों को धुन और ताल से जोड़ेंगे।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं हेड -कल्चरल आउटरीच, जय शाह ने कहा, 'महिंद्रा में, हम कला के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल के अपने दूसरे संस्करण को लेकर काफी उत्साहित हैं जहां प्रमुख कलाकार, प्रसिद्ध कवि-संत कबीर से प्रेरित होकर वाराणसी के घाटों की एक अद्भुत पृष्ठ पट के बीच अपनी प्रस्तुति देंगे। इस समारोह में कबीर की कविता पर चर्चा होगी और उपस्थित लोगों को शहर की विरासत को देखने-समझने का भी अवसर मिलेगा।'

टीमवर्क आर्ट्स के एम. डी. संजोय रॉय ने महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल के दूसरे संस्करण के बारे में बोलते हुए कहा, 'महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल कबीर के दृष्टिकोण का परम चित्रण है और वाराणसी शहर के गहन सांस्कृतिक जीवन की कहानी है। उत्सव का यह संस्करण आकर्षक कार्यक्रमों के माध्यम से शहर से गहरा जुड़ाव अनुभव कराएगा जो कि उपस्थित दर्शकों के लिए यादगार होगा।'

दूसरा महिंद्रा कबीरा फेस्टिवल एक श्रव्य एवं दृश्य दावत के रूप में सामने आएगा जो कबीर की जीवन शैली को गले लगाने का अवसर देगा। संगीत में डूबे हुए, घुमावदार गलियों में चलना, लकड़ी के खिलौने खरीदने के लिए बाजार में घूमना, सडकों पर स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेना, बुनकरों की गलियों का दौरा करना जहां कबीर बड़े हुए, अपने आप में एक अनोखा अनुभव होगा। प्रेरक और मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ यह उत्सव दर्शकों को रोम रोम में कबीर का एहसास दिलाएगा।

मौर्निंग म्यूजिक में दरभंगा घाट पर गायकी की श्रुति के साथ साथ दर्शकों को एक अनोखा अनुभव मिलेगा। यहाँ बैठे पंडितजी, इत्र से सराबोर, राग का वर्णन एक अनूठी खुशबू में करेंगे जिसे वह एक 'फा' (कपास की कली) पर लगाते हुए दर्शकों को भेंट करेंगे। इत्र में संगीत की वह जादुई महक हुबहू बाँधी जाएगी जिसे दर्शक खुद महसूस कर सकेंगे।

दोपहर के समय साहित्यकार कबीर की कविताओं और दृष्टिकोण पर विचार विमर्श करेंगे। इन सत्रों में पारंपरिक दास्तानगोई गायन के साथ-साथ चिंतनशील साहित्यिक विमर्श होगा और गरमा गर्म चाय भी शामिल रहेगी।

स्थानीय इतिहासकारों द्वारा तैयार विशेष रूप से निर्देशित हेरिटेज एंड फूड वॉक्स में वाराणसी की गली कूचे, रोज़मर्रहा की ज़िन्दगी, लोकप्रिय स्मारक और शहर की अनोखी परम्पराओं का अनुभव करने को मिलेगा । शहर की गलियों में चलते, बनारसी संस्कृति के साथ कदम मिलाते हुए दर्शकों को स्थानीय व्यंजन, जैसे कचौड़ी मसाला, चाट, बनारसी लस्सी और पान का स्वाद चखने का अवसर मिलेगा। गीतकारों के मदमस्त प्रदर्शन के साथ यह टोली काशी चाट भंडार और विश्व प्रसिद्द काशी विश्वनाथ मंदिर के पीछे की कचोडी गली से ले कर कबीर मठ, संकट मोचन मंदिर जैसी जगहों का दर्शन कराएगी और फिर ले जाएगी बुनकरों की गलियों में जहाँ आप उन्हें रेशम और ज़री के धागों से स्वर्णिम कल्पनाएँ बुनते हुए देख सकते हैं।

प्रसिद्ध छोटा नागपुर बगीचे में और अस्सी घाट पर भव्य आरती के बाद शाम के संगीत समारोह यानी ईवनिंग मुज़िक में शुभा मुदगल और कैलाश खेर प्रमुख रूप से संगीतमयी प्रस्तुति देंगे। अस्सी घाट पर संगीत प्रदर्शन सितारों की छांव में किया जायेगा जहाँ गंगा तट पर सजे मंच से गायक घाट पर बैठे दर्शकों को गीतों से उल्लासित करेंगे।

प्रवेश: शनिवार और रविवार को प्रातः व सायं संगीत प्रदर्शन के लिए निःशुल्क पंजीकरण।

महिंद्रा के बारे में

19 अरब अमेरिकी डॉलर वाला महिंद्रा गुरुप लोगों को नवीन यातायात समाधानों के माध्यम से आगे बढ़ने, ग्रामीण समृद्धि, शहरी जीवन को बढ़ाने, नए व्यवसायों को बढ़ावा देने और समुदायों को सक्षम बनाता है। वाहनों, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और भारत में अवकाश स्वामित्व में यह नेतृत्व की स्थिति में है। यह दुनिया की सबसे बड़ी ट्रैक्टर कंपनी है। कृषि व्यवसाय, घटकों, वाणिज्यिक वाहनों, परामर्श सेवाओं, ऊर्जा, औद्योगिक उपकरण, रसद, रियल एस्टेट, स्टील, एयरोस्पेस, रक्षा और दो पहिया वाहनों में इसकी मौजूदगी मजबूत है। इसका मुख्यालय भारत में है और यह 100 देशों के 200,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

महिंद्रा के बारे में अधिक जानने के लिए: www.mahindra.com / ट्विटर और फेसबुक: @MahindraRise

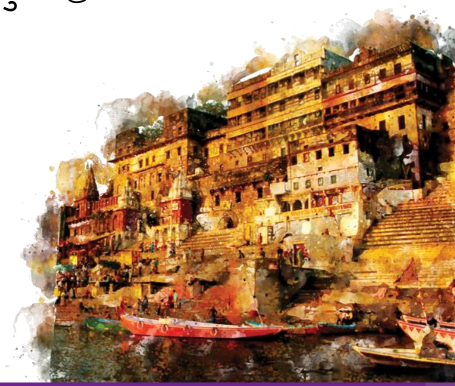

<u>टीमवर्क आर्ट्स के बारे में</u>

25 से अधिक वर्षों से टीमवर्क आर्ट्स ने भारत को दुनिया में और दुनिया को भारत में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग, इटली, इजराइल, कोरिया, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, यूके और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में, 40 से अधिक शहरों में, टीमवर्क 25 से अधिक अत्यधिक प्रतिष्ठित परफॉर्मिंग आर्ट, विज़ुअल आर्ट एवं साहित्यिक उत्सवों का आयोजन करती है। टीमवर्क आर्ट्स द्वारा किए जाने वाले प्रमुख आयोजनों में है दुनिया के सबसे बड़े साहित्यिक सम्मेलनों में से एक जी जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल, नई दिल्ली में इशारा इंटरनेशनल पपेट थिएटर फेस्टिवल और महिंद्रा एक्सीलेंस इन थियेटर अवॉर्ड्स (मेटा) । अंतरराष्ट्रीय उत्सवों में शामिल हैं दक्षिण अफ्रीका में शेयर्ड हिस्ट्री, अमेरिका में आई ऑन इंडिया, हांगकांग में इंडिया बाय द बे, ऑस्ट्रेलिया में कांफ्लुएंस: फेस्टिवल ऑफ़ इंडिया, और इंडिया@70, 2017: यूनाइटेड किंगडम में संस्कृति का वर्ष आदि।

वेबसाइट : www.teamworkarts.com

-ENDS-